वसुन्धरा राजे
मुख्यमंत्री राजस्थान

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि 14 नवम्बर से 20 नवम्बर, 2014 तक देश में 61 वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह का समारोहपूर्वक आयोजन किया जा रहा है।

सहकारिता हमारी परंपरा का शाश्वत अंग है। निजीकरण और भूमण्डलीकरण के दौर में सहकारिता आज अधिक प्रासंगिक हो गई है। विकासशील देशों के साथ ही विकसित देशों में भी सहकारिता ने विशिष्ट पहचान बनाई है।

मुझे प्रसन्नता है कि इस वर्ष सहकार सप्ताह का मुख्य आधार बिन्दु "सतत एवं समग्र विकास के लिए सहकारी मॉडल" रखा गया है जो न केवल समसामयिक है अपितु बदलते आर्थिक परिदृश्य में सहकारिता की प्रासंगिकता को दर्शाता है।

राज्य सरकार ने सहकारिता को आर्थिक विकास का प्रमुख जरिया बनाने का प्रयास करते हुए सहकारी संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और प्रक्रिया के सरलीकरण पर बल दिया है। सहकारी बैंकों में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन सुविधा शुरु करने, ग्रामसेवा सहकारी समितियों में चरणबद्ध तरीके से "एनी व्हेयर बैंकिंग" जैसी सुविधाएं शुरु करने पर बल दिया जा रहा है।

मध्यकालीन कृषि ऋणों को समय पर चुकाने वाले ऋणी काश्तकारों को ब्याज दर में पांच प्रतिशत का अनुदान देकर बड़ी राहत दी गई है। सहकारी वितरण सुविधाओं का विस्तार करते हुए समय पर कृषि आदानों की उपलब्धि सुनिश्चित की जा रही है।

प्रदेश में महिलाओं द्वारा संचालित उपहार सुपर मार्केट भी शुरु किए गए हैं। आने वाले समय में सहकारी उपभोक्ता सेवाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रदेश में काश्तकारों द्वारा रबी फसल की तैयारियां शुरु कर दी गई हैं। मेरा सहकारी संस्थाओं से आग्रह है कि वे समय पर खाद-बीज और ऋण उपलब्ध कराने के काम में जुट जाएं।

मैं, 61 वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देती हूं और देश और प्रदेश में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की सफलता की कामना करती हूं।

वसुन्धरा राजे

(वसुन्धरा राजे)

अजय सिंह
Ajay Singh

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
सहकारिता विभाग
राजस्थान सरकार
Minister of State (Independent Charge)
Cooperative Department
Government of Rajasthan

पत्र क्रमांक/रामं/सह/2014/

जयपुर, दिनांक: 21.10.2014

संदेश

यह जानकर प्रसन्नता है कि समूचे देश में आगामी 14 नवम्बर से 20 नवम्बर, 14 तक 61 वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सहकारिता के व्यापक महत्व को देखते हुए इस वर्ष के अखिल भारतीय सहकार सप्ताह का आधार बिन्दु "सतत एवं समग्र विकास के लिए सहकारी मॉडल"(Cooperative Model for Sustainable and Inclusive Growth) रखा गया है।

बदलते आर्थिक परिवेश और विश्वव्यापी आर्थिक मंदी में सहकारिता प्रमुख विकल्प के रुप में उभरी है। यही कारण है कि सारी दुनिया में समग्र विकास के लिए सहकारी मॉडल को स्वीकारा जाने लगा है। प्रदेश के आर्थिक विकास में सहकारी भागीदारी इसी से स्पष्ट हो जाती है कि राज्य की सहकारी संस्थाएं 3,210 करोड़ रुपए की हिस्सा राशि और 52,742 करोड़ रुपए की कार्यशील पूंजी से आर्थिक गतिविधियों का संचालन कर रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था खासतौर से किसानों व ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक विकास में ग्राम सेवा सहकारी समितियां व डेयरी समितियां प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। राज्य सरकार सहकारिता को आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनाने के लिए कृत संकल्पित है। इसी को ध्यान में रखते हुए नवाचार कार्यक्रमों को अपनाते हुए समग्र रुप से सहकारी सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया गया है।

मैं, 61 वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को बधाई देता हूँ और इस अवसर पर देश-प्रदेश में आयोजित समारोहों की सफलता की कामना करता हूँ।

जय सहकार!

(अजय सिंह)

Room No. 6316, Ministerial Building, Secretariat, Jaipur-302005
Phone : 0141-2227283, 0141-5153222 Ext. 1271

संदेश

61 वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं। सहकारिता के व्यापक महत्व को देखते हुए इस साल के सहकार सप्ताह का आधार बिन्दु "सतत व समग्र विकास के लिए सहकारी मॉडल " रखा गया है। यह समग्र विकास मे सहकारिता के महत्व को दर्शाता है।

प्रदेश की सहकारी संस्थाओं द्वारा दूर दराज के इलाकों तक सहकारी नेटवर्क के माध्यम से सहकारी साख, विपणन व उपभोक्ता सेवाएं उपलब्ध कराने के सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि ग्राम सेवा सहकारी समिति को ग्राम स्तर पर आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र के रुप में विकसित किया जाए। सहकारी साख, विपणन, उपभोक्ता संस्थाओं के साथ ही अन्य प्रसंस्करण इकाइयों के कार्यों में गुणात्मक सुधार और लाभदायकता बढ़ाने के कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रदेश की सहकारी संस्थाओं का प्रबंधकीय दक्षता से संचालन करते हुए सहकारी सुविधाओं की सहज पहुंच बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मेरा मानना है कि वित्तीय दृष्टि से मजबूत सहकारी संस्था ही अपने उद्देश्यों पर खरी उतर सकती है। मेरा आग्रह है कि सहकार सप्ताह के अवसर पर आयोजित समारोहों में अधिक से अधिक लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सहकारिता आंदोलन से जोड़ने के प्रयास किए जाए।

मैं, अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोहों की सफलता की कामना करता हूँ।

जय सहकार!

(दीपक उप्रेती)
प्रमुख शासन सचिव
सहकारिता

अनुराग भारद्वाज
आई.एफ.एस.
रजिस्ट्रार
सहकारी समितियाँ, राजस्थान

नेहरू सहकार भवन, भवानी सिंह रोड,
जयपुर-302 005

संदेश

61 वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं। सहकारिता के बहुआयामी विस्तार को देखते हुए इस साल के सहकार सप्ताह का आधार बिन्दु **"सतत् व समग्र विकास के लिए सहकारी मॉडल"** रखा गया है।

प्रदेश में विभिन्न प्रकार की 31,222 सहकारी संस्थाएं 3210 करोड रु. की हिस्सा राशि और 52742 करोड़ रु. की कार्यशील पूंजी से आर्थिक गतिविधियों का संचालन कर रही है। सहकारी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रदेश में सक्षमता के आधार पर नई ग्राम सेवा सहकारी समितियों, बृहदाकार कृषि बहुउद्देशीय सहकारी समितियों (लेम्प्स) और विपणन सहकारी समितियों के गठन किया जा रहा है। समग्र सहकारी विकास परियोजना के माध्यम से सहकारी संस्थाओं को सक्षमता प्रदान की जा रही है। तिलम संघ के माध्यम से सहकारी क्षेत्र में ही प्रमाणिक बीजों का प्रसंस्करण शुरु किया गया है। सहकारी उपभोक्ता सेवाओं का गाँवों तक विस्तार किया जा रहा है। राज्य सरकार ने सहकारिता के समग्र विकास के लिए 10 सूत्री प्राथमिकताएं निर्धारित की है।

अ. भा. सहकार सप्ताह के आयोजन के माध्यम से हमें सहकारी रीति-नीति, सहकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को जन-जन तक पंहुचाने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर आयोज्य कार्यक्रमों में अधिक से अधिक नागरिकों को जोड़ते हुए उन्हें सहकारी साख, विपणन, उपभोक्ता, प्रसंस्करण आदि सेवाओं से जोड़ते हुए सहकारी आंदोलन को और अधिक सक्षम बनाने के ठोस सुझाव प्राप्त किए जायें।

मैं, 61 वें अ. भा. सहकार सप्ताह के अवसर पर राज्य स्तर से प्राथमिक सहकारी समिति स्तर तक आयोजित कार्यक्रमों की सफलता की कामना करता हूँ।

जय सहकार!

(अनुराग भारद्वाज)
रजिस्ट्रार

फोन : 0141-2740737 फैक्स : 0141-2740045 ई-मेल : reg.coop@rajasthan.gov.in